## प्रस्तावित शोध -कार्य

# शिवशंकर पटनायक की कहानियों में नारी -चिंतन

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय.रायपुर के

कला संकाय के अर्न्तगत हिन्दी विषय में

## शोध- उपाधि

हेतु प्रस्तुत

## शोध-प्रबंध की रूपरेखा

सन् 2014-15


शोधार्थी

भवानी प्रधान


अध्यक्ष,
साहित्य एवं भाषा-अध्ययन शाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर. (छत्तीसगढ़)


## शोध–केन्द्र

## साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

## पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)


Scanned by CamScanner

# शिवशंकर पटनायक की कहानियों में नारी–चिंतन


निर्देशक

डॉ.कैलाश शर्मा

प्राध्यापक एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग

इंदिरा गांधी कला, वाणिज्य एवं

विज्ञान महाविद्यालय

वैशाली नगर भिलाई (छ.ग.)

प्राध्यापक

इन्दिरा गांधी शा. कला, विज्ञान

एवं वाणिज्य महाविद्यालय

वैशाली नगर, भिलाई (छ.ग.)

सह–निर्देशक

डॉ. मधुलता बारा

शोधार्थी

भवानी प्रधान


अध्यक्ष,

साहित्य एवं भाषा–अध्ययन शाला,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,

रायपुर (छत्तीसगढ़)

## शोध–केन्द्र


साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)


Scanned by CamScanner

# अनुक्रमणिका


प्रस्तावित शोध–कार्य का शीर्षक

प्रस्तावना

1. प्रस्तावित क्षेत्र में पूर्व में किए गए शोध–कार्यों का पुनरावलोकन
2. प्रस्तावित शोध–कार्य का उद्देश्य
3. प्रस्तावित शोध–कार्य के प्रमुख प्रतिमान
4. प्रस्तावित शोध–कार्य के लिए प्रस्तावित शोध–प्रविधि
5. प्रस्तावित शोध का अध्यायीकरण

परिशिष्ट

- आधार ग्रंथ–सूची
- संदर्भ ग्रंथ–सूची
- पत्र–पत्रिकाएँ
- वेबसाइट्स
- शोधार्थी के प्रकाशित शोध–पत्र का विवरण

6. प्रस्तावित शोध का संभावित परिणाम


Scanned by CamScanner

# शिवशंकर पटनायक की कहानियों में नारी–चिंतन

## प्रस्तावना

शिवशंकर पटनायक छ.ग. के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं, जिनकी कहानियाँ 'गागर में सागर' की उक्ति को चरितार्थ करती है। उनकी मर्मस्पर्शी कहानियों में भारतीय नारी की छवि दिखाई देती है। वे छोटी–छोटी अनुभूतियों, स्मृति पलों एवं नारी संवेदनाओं को पिरोने की सिद्धहस्त कथाकार हैं। पटनायक ने अपने कहानियों में खुद से लड़ती हुई स्त्री के मार्मिक अंतर्भावों को उकेरा है, वह भी समसामयिक घटनाओं और यथार्थ के साथ उनकी तमाम हरकतों को पोर–पोर से पन्नों में उतारकर समाज के समक्ष स्पष्ट करना ही उनका उद्देश्य रहा हैं उनकी कहानियों का मुख्य स्वर पारिवारिक रिश्तों का प्रभावपूर्ण वर्णन करता है । आधुनिक भाव–बोध की जितनी परिव्याप्ति उनकी रचनाओं में है, प्राचीन व्यवहार संस्कारों की मर्यादित आभा भी उतनी ही गरिमा से लयबद्ध है।

शिवशंकर पटनायक की ज्यादातर कहानियों में छ.ग. ओडिसा के ग्रामीण समाज के सामान्य जीवन की धड़कन है । इसका अर्थ यह नहीं कि उन्होंने शहरी मध्यम वर्ग की कथा नहीं कही है, इसके भी दर्शन उनके कहानियों में होते हैं ।

भारतीय नारी सदा से ही लेखकों का चर्चित विषय रही है, बदला है तो केवल उनका स्वरूप। शिक्षा ने उसे अन्याय से लड़ने की चेतना दी है, पीड़ा को मुखर करने की क्षमता दी है, मानसिक धरातल को विस्तार दिया है, फिर भी वह दर्द और आंसुओं की जीवन्त तस्वीर है । पहले की नारी पंखहीन थी और आज की नारी आजाद पंक्षी की तरह है । हम उसके अधिकारों को नहीं जानते और कर्तव्यों की बात करते हैं । समाज में व्याप्त इन्हीं विसंगतियों को अपनी कहानियों में शिवशंकर पटनायक ने बड़ी ही खूबी से चित्रित किया है । इनकी कहानियों में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं का सुंदर चित्रण हुआ है। इनमें प्रमुख है विधवा महिला के संवेदनात्मक वित्रण, परित्यकता महिला की वेदना तलाकशुदा महिला की समस्याएँ, नौकरीपेशा एवं घरेलू महिलाओं की स्थिति, विवाह पूर्व एवं दाम्पत्य जीवन की समस्याएँ, बुजुर्ग दम्पत्ति के जीवन की समस्याएँ, अनपढ़ नारी की समाज में स्थिति, सामाजिक रूढ़ियों से बंधी नारी यौन प्रताड़ना की शिकार नारी, सास–बहू के संबंधों का चित्रण, नारी द्वारा नारी का शोषण, विवाहेत्तर संबंधों में उलझी नारी आदि । यही कुछ वजह रही जिससे प्रभावित होकर मैंने उनकी रचनाओं को अपनी शोध का विषय बनाया ।

Scanned by CamScanner

## 3. प्रस्तावित शोध–कार्यों का संक्षिप्त पुनरावलोकन

शिवशंकर पटनायक के साहित्यों में अब तक हुए शोध–कार्यों एवं लघु–शोध–प्रबंध का विवरण निम्नानुसार है –

1. साहू, ताराचंद. एम.फिल उपाधि हेतु लघु शोध–प्रबंध शिवशंकर पटनायक की कहानी संग्रह "पलायन" पर अंग्रेजी का प्रभाव, निर्देशक– डॉ. शैल शर्मा. पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, सत्र 2008.
2. तिवारी, राजेश्वर प्रसाद. शिवशंकर पटनायक के कथा साहित्य का अनुशीलन (पी.एच.डी.) निर्देशक–डॉ. राजेश कुमार दुबे. पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, सत्र 2012.
3. गोस्वामी, दिप्ती. शिवशंकर पटनायक के उपन्यासों में जीवन मूल्य पर शोध कार्य चल रहा है । निर्देशक–डॉ. आभा तिवारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर,

   पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अंतर्गत नारी पक्षों पर आधारित शोध–प्रबंधों की जानकारी इस प्रकार है ।
4. लकड़ा, सलमा. राजी सेठ के 'तत–सम' उपन्यास में नारी संवेदना, निर्देशक–डॉ. मधुलता बारा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर,
5. वैष्णव, कविता. प्रभाखेतान के उपन्यासों में स्त्री विमर्श एक अध्ययन, शोध–कार्य चल रहा है । निर्देशक–डॉ.अनुसुया अग्रवाल पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर,
6. साहू, छनेश्वरी. मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में स्त्री–विमर्श शोध–कार्य चल रहा है । निर्देशक–डॉ. वंदना कुमार, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर,
7. लोन्हारे, मनीषा. मालती जोशी की कहानियों मे स्त्री–विमर्श निर्देशक– डॉ. रेणु सक्सेना पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर,

शिवशंकर पटनायक की कहानियों में स्त्री विमर्श पर शोध कार्य मेरे द्वारा छ.ग. में प्रथम प्रयास है ।

## 4. प्रस्तावित शोध कार्य का उद्देश्य

पटनायक के कथा संग्रह नारी अंतर्मन के जिस मार्मिक पहलुओं पर अपनी लेखनी चलाकर भारतीय नारी की जीवंत छवि प्रस्तुत की है ताकि नारी समाज को जागरूक करने का अथक प्रयास

Scanned by CamScanner

किया है, उस पर अभी तक शोध–कार्य का अभाव बना हुआ है । मैं अपने शोध कार्य के माध्यम से नारी में छिपी शक्ति एवं प्रतिभा का विश्लेषण कर समाज के समक्ष यह बात लाना चाहती हूँ कि ईश्वर की अनमोल कृति नारी अपने हर रूप में पुरूष की सहभागिनी है, पथ प्रदर्शक है, परिवार की आधाशिला है तो उसे पुरूष द्वारा या नारी को नारी द्वारा प्रताड़ना देना कहाँ तक उचित है ? मेरे शोध कार्य का उद्देश्य है, शिवशंकर पटनायक की कथाओं के आधार पर नारी जीवन के विविध समस्याओं को उनकी साहित्यिक रचना धर्मिता को उजागर करते हुए नारी अस्मिता को पुर्नप्रतिष्ठित करना ।

## 5. प्रस्तावित शोध–कार्य का उल्लेखनीय योगदान

यह विषय शिवशंकर पटनायक के रचनाकर्म एवं वर्तमान परिदृश्य में स्त्री–विमर्श को समझने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा । हिन्दी उपन्यास, कहानी लेखन के क्षेत्र में रचनाकारों का क्या योगदान है, उनके लेखन का स्वरूप क्या है ? यह जानने समझने में प्रस्तावित शोध अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि आज राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय परिदृश्य में स्त्री–विमर्श का बोल–बाला है । महाविद्यालयों वि.वि. में स्त्री–विमर्श का नया विभाग खोला जा रहा है ।

## 6. प्रस्तावित शोध प्रविधि

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय तथा सुन्दर लाल शर्मा ग्रंथालय में उपलब्ध ग्रंथों की सहायता से इस शोध कार्य को पूर्ण किया जायेगा । शिवशंकर पटनायक द्वारा लिखित आधार ग्रंथों के साथ–साथ अन्य संबंधित संदर्भ–ग्रंथों, पत्र–पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों जिनमें पटनायक से संबंधित साक्षात्कार एवं लेख छपे हों, उनकी संग्रहण कर उनका उपयोग इस शोध–कार्य हेतु करूंगी । साथ ही साक्षात्कार एवं प्रश्नावली प्रविधि के अंतर्गत शिवशंकर पटनायक,उनके मित्रजनों, समकालीन साहित्यकारों एवं आलोचकों का सहयोग लेकर अपने शोध–कार्य को स्तरीय स्वरूप में तैयार कर प्रस्तुत करूगी ।

## (7) प्रस्तावित शोध का अध्यायीकरण

**शीर्षक:** शिवशंकर पटनायक की कहानियों में नारी चिंतन

**प्रस्तावना:** विषय प्रवेश

विषय की व्याप्ति

Scanned by CamScanner

सीमाएँ

पूर्वानुसंधान

उद्देश्य

अध्याय एक – नारी चिंतन : स्वरूप और चुनौतियाँ

1.1 नारी –चिंतन का परिचय

1.2 नारी चितन का अर्थ, प्रारंभ एवं विकास

1.3 भारत में नारी केन्द्रित आंदोलन

1.4 उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

अध्याय दो – शिवशंकर पटनायक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

2.1 जन्म एवं शिक्षा–दीक्षा

2.2 पारिवारिक पृष्ठभूमि

2.3 अध्यापन कार्य एवं शासकीय सेवा

2.4 रचना संसार

2.5 अलंकरण एवं सम्मान

अध्याय तीन – शिवशंकर पटनायक की कहानियों का मूलकथ्य

3.1 नारी की उपेक्षा का चित्रांकन

3.2 पारिवारिक स्थिति

3.3 आर्थिक सामाजिक परिदृश्य

3.4 रूढ़िगत एवं परम्परागत शोषण के प्रति विद्रोह

3.5 नारी मनोविज्ञान

अध्याय चार – शिवशंकर पटनायक की कहानियों में नारी पात्रों का स्वरूप

4.1 पितृ सत्तात्मक व्यवस्था के प्रति विद्रोह

4.2 नौकरी पेशा एवं घरेलू महिलाओं की समाज में स्थिति

4.3 विधवाओं एवं परित्यक्ता नारियों के प्रति संवेदना

4.4 निःसंतान स्त्री की पीड़ा

4.5 समान अस्तित्व हेतु छटपटाहट

Scanned by CamScanner

4.6 कन्या जन्म पर निराशा

4.7 विवाह संबंधी समस्या

**अध्याय पाँच – समकालीन कहानियों में शिवशंकर पटनायक की कहानियों का स्थान**

5.1 समकालीन की अवधारणा

5.2 समकालीन का स्वरूप

5.3 शिवशंकर पटनायक की कहानियों का वैशिष्ट्य

5.4 समकालीन कहानीकार एवं शिवशंकर पटनायक

**अध्याय छः – शिवशंकर पटनायक की कहानियों का शिल्पगत अध्ययन**

6.1 कथा भाषा

6.2 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

6.3 अन्य भाषाओं का प्रभाव

6.4 शैली विन्यास

**उपसंहारः**

**परिशिष्टः**

आधार ग्रंथ–सूची

संदर्भ ग्रंथ–सूची

पत्र–पत्रिकाएँ

साक्षात्कार

वेबसाइट्स

शोधार्थी के प्रकाशित शोध–पत्रों का विवरण

## (8) प्रस्तावित शोध का संभावित परिणाम

शिवशंकर पटनायक की कथा साहित्य की प्रेममयी नारी ईश्वरीय साकार रचना के बावजूद अपनी अस्मिता के लिए संघर्षरत है, इस शोध कार्य में नारी के सामाजिक चेतना के माध्यम से समाज के नारियों में एक सकारात्मक प्रतिमान स्थापित हो सकेगा। मेरे शोध कार्य में नारी विमर्श का चित्रण उनके पाठकों में मनोभाव से तादात्म्य बिठाने में मददगार साबित होगा।

Scanned by CamScanner

# आधार-ग्रंथ सूची

## कहानी संग्रह


1. पटनायक, शिवशंकर . पराजित पुरुष, पिथौरा : श्रृंखला साहित्यमंच 1998
2. पटनायक, शिवशंकर . पलायन, रायपुर :शताक्षी प्रकाशन 2001.
3. पटनायक, शिवशंकर . प्रारब्ध, रायपुर : शताक्षी प्रकाशन 2002.
4. पटनायक, शिवशंकर, डोकरीदाई, रायपुर : शताक्षी प्रकाशन 2012.
5. पटनायक, शिवशंकर, आदर्श नारी भाग I, II, रायपुर : शताक्षी प्रकाशन 2008.
6. पटनायक, शिवशंकर, अंत एक संत का . रायपुर : अम्बे बुक हाऊस प्रकाशन 2014.
7. पटनायक, शिवशंकर . बचा.....रे.....दी......प......क . रायपुर : अन्नपूर्णा प्रकाशन 2014.


Scanned by CamScanner

## संदर्भ ग्रंथ


पुष्पा, मैत्रेयी. खुली खिड़कियाँ, नई दिल्ली : सामायिक प्रकाश्शन, 2003.

पुष्पा, मैत्रेयी, आवाज, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन 2012

आर्य, साधना. नारीवादी राजनीति : संघर्ष एवं मुद्दे . नई दिल्ली : हिन्दी माध्यम 2001

उमरे, डॉ. करूण. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यवहारिक संदर्भ . कानपुर : राजकमल प्रकाशन, 2009.

कुमार, राकेश . नारीवादी विमर्श . पंचकूला : आधार प्रकाशन, 2001.

केंगरानी, वंदना . निर्मल वर्मा का स्त्री विमर्श . नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन . 2007.

गुप्ता, रमणिका, स्त्री विमर्श : कलम और कुदाल के बहाने . कानपुर : विकास प्रकाशन, 2009.

चेरवोबा, डॉ. सविता . आठवें दशक की लेखिकाओं के उपन्यासो में व्यक्त स्त्री चरित्र कानपुर : विकास प्रकाशन, 2007.

प्रकाश, डॉ. अल्का . नारी चेतना के आयाम . इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन, 1984.

मागेश्वरी, सरला . नारी प्रश्न . नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन, 2007.

मुद्गल, चित्र, एक जमीन अपनी . नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन, 2007.

यादव, राजेन्द्र आदमी की निगाह में औरत . नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2006.

वर्मा, डॉ. कल्पना . स्त्री विमर्श : विविध पहलू . इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन, 2009.

व्यास, मीनाक्षी, नारी चेतना सामाजिक विधान, कानपुर : विकास प्रकाशन, 2009.,

शर्मा, क्षमा, स्त्रीवादी विमर्श, समाज और साहित्य, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2002.


Scanned by CamScanner

# पत्र-पत्रिकाएँ

## दैनिक पत्र

अमृत संदेश, दैनिक, रायपुर.

भास्कर, दैनिक, रायपुर.

देशबंधु, दैनिक, रायपुर.

हरिभूमि, दैनिक, रायपुर.

हिन्दुस्तान, दैनिक, नई दिल्ली.

नई दुनिया, दैनिक, रायपुर.

नवभारत, दैनिक, रायपुर.

जनसत्ता, दैनिक, नई दिल्ली.

पत्रिका, दैनिक, रायपुर.

## पत्रिकाएँ

आजकल, मासिक, नई दिल्ली.

आलोचना, द्विमासिक, दिल्ली.

आउटलुक, मासिक, नई दिल्ली.

बहुवचन, द्विमासिक, नई दिल्ली.

भाषा, द्विमासिक, नई दिल्ली.

हंस, मासिक, नई दिल्ली.

कथादेश, मासिक, नई दिल्ली.

नवनीत, मासिक, नई दिल्ली.

परिंदे, द्विमासिक, नई दिल्ली.

पाखी, मासिक, नोएडा.

पाण्डुलिपि, त्रैमासिक, रायपुर.

पुस्तक वार्ता, द्विमासिक, वर्धा.

समीक्षा, त्रैमासिक, नई दिल्ली.

शब्दार्थ, त्रैमासिक, वाराणसी.

शुक्रवार, मासिक, नई दिल्ली.

Scanned by CamScanner

पहल, जबलपुर

परिकथा, दिल्ली

लमही, लखनऊ

शोधार्थी के प्रकाशित शोध–पत्रों का विवरण ।

निर्देशक
डॉ. कैलाश शर्मा
प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
इन्दिरागांधी शा.कला एवं वाणिज्य
महाविद्यालय वैशाली नगर,
भिलाई–दुर्ग

प्राध्यापक
इन्दिरा गांधी शा. कला, विज्ञान
एवं वाणिज्य महाविद्यालय
वैशाली नगर, भिलाई (छ.ग.)

16.11.2015
सह निर्देशिका
डॉ. मधुलता बारा

16.11.15
शोध–छात्रा
श्रीमती भवानी प्रधान

अध्यक्ष,
साहित्य एवं भाषा–अध्ययन शाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छत्तीसगढ़)

# शोध केन्द्र

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

Scanned by CamScanner